मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

-::परीक्षा योजना::-

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---XXX---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM -2022
सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022
Syllabus- Environmental Science
पाठ्यक्रम – पर्यावरण विज्ञान

UNIT -I : Multidisciplinary nature of Environmental Studies

- Definition, scope and importance of Environmental studies.
- Need for public awareness and Environmental issues.
- Environmental education and awareness- objectives, goals and guiding principles of environmental education.
- Environmental Education in India-Formal environmental education and informal environmental education.
- Status and policy of environmental education in India.

इकाई–1 : पर्यावरण अध्ययन की बहुआयामी प्रकृति

- परिभाषा, विषय क्षेत्र एवं पर्यावरण अध्ययन की महत्ता।
- पर्यावरणीय समस्याएँ एवं जन जागरूकता की आवश्यकता ।
- पर्यावरण शिक्षा एवं जन जागरूकता – उद्देश्य, लक्ष्य तथा पर्यावरण शिक्षा के मार्गदर्शक सिद्धांत ।
- भारत में पर्यावरण शिक्षा– औपचारिक पर्यावरण शिक्षा एवं अनौपचारिक पर्यावरण शिक्षा
- भारत में पर्यावरण शिक्षा की नीतियाँ एवं स्थिति।

UNIT- II : Natural Resources

- Definition of Resources, types of resources, classification of resources, renewable and non renewable resources.
- **Forest resources**: Use and over- exploitation, deforestation, wood and non-wood forest produce, timber extraction, mining, dams and their effects on tribal people.
- **Water Resources:** Use and over utilization of surface and ground water, floods, droughts, conflicts over water, dams - benefits and problems, rain water harvesting, impact of increasing human population on water resources.
- **Mineral Resources:** Use and exploitation, environmental effects of extracting and using mineral resources.
- **Food resources:** World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer and pesticide problems, water logging, salinity.

इकाई–2 : प्राकृतिक संसाधन

- संसाधनों की परिभाषा, संसाधनों के प्रकार, संसाधनों का वर्गीकरण, नवीनीकरण व अनवीनीकरण संसाधन।
- वन्य संसाधन : उपयोग और अति दोहन, निर्वनीकरण, काष्ठ एवं अकाष्ठ वन उत्पाद, इमारती लकड़ी की कटाई, खनन, बाँध एवं उनके जनजातीय लोगों पर प्रभाव।
- जल संसाधन : भू–जल एवं भूमिगत जल का उपयोग एवं अतिदोहन, बाढ़, सूखा, जल संबंधी विवाद, बाँध – लाभ एवं समस्याएँ, वर्षा जल संरक्षण, बढती हुई जनसंख्या का जल संसाधनों पर प्रभाव ।
- खनिज संसाधन : उपयोग एवं अतिदोहन, खनिज संसाधनों के दोहन और उपयोग का पर्यावरण पर प्रभाव।
- खाद्य संसाधन : विश्व की खाद्य समस्याएँ, कृषि एवं अत्यधिक चराई से उत्पन्न परिवर्तन, आधुनिक कृषि के प्रभाव, खाद एवं कीटनाशकों की समस्याएं, जलभराव, खारापन।

UNIT- III :

- **Energy Resources:** Conventional energy resources – coal, firewood and petroleum , Non conventional energy resources- solar energy, wind energy, hydrological energy, biomass energy, tidal energy geothermal energy, growing energy requirements , use of alternative energy resources.
- **Land Resources:** Land as a resource, land degradation, man induced landslides, soil erosion and desertification.
- Conservation of natural resources, role of an individual.
- Equitable use of resources for a sustainable life style.
- Natural resources and associated problems.

इकाई–3

- ऊर्जा संसाधन : पारंपरिक ऊर्जा संसाधन , कोयला, जलाऊ लकड़ी एवं पेट्रोलियम, गैर पारंपरिक ऊर्जा संसाधन – सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलीय ऊर्जा, बायोमास ऊर्जा, ज्वार ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा , ऊर्जा की बढती आवश्यकता, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग।
- भूमि संसाधन : भूमि एक संसाधन के रूप में, भूमि का अवनयन, मानवजनित भूस्खलन, मृदा अपरदन एवं मरुस्थलीकरण ।
- प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, व्यक्ति की भूमिका ।
- निर्वहनीय जीवन शैलियों के लिये संसाधनों का समता मूलक उपयोग।
- प्राकृतिक संसाधन एवं संबंधित समस्याएँ ।

UNIT-IV: ECOSYSTEM

- Concept of ecology and ecosystem ,structure and function of an ecosystem.
- Producers, consumers and decomposers.
- Energy flow in the ecosystem, food chain, food web and ecological pyramids.
- Ecological succession, types of succession, theories on succession, climax communities.
- Introduction, types, characteristic features, structure and function of following ecosystems - Forest ecosystems, Grassland ecosystems, Desert ecosystems, Aquatic ecosystems (ponds, lakes, rivers, oceans and estuaries).

इकाई–4 : पारिस्थितिकीय तंत्र

- पारिस्थितिकी एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा, पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना एवं कार्य
- उत्पादक, उपभोक्ता एवं अपघटक ।
- पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह, खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल एवं पारिस्थितिकीय पिरामिड
- पारिस्थितिकीय अनुक्रम, अनुक्रम के प्रकार, अनुक्रम के सिद्धांत, चरम समुदाय।
- निम्न पारिस्थितिक तंत्रो का परिचय, प्रकार, बुनियादी विषेशताएँ, संरचना एवं कार्य – वन पारिस्थितिक तंत्र, चारागाह पारिस्थितिक तंत्र, मरुस्थलीय पारिस्थितिक तंत्र, जलीय पारिस्थितिक तंत्र (तालाब, झील, नदियां, समुद्र एवं नदी का मुहाना)।

UNIT -V : BIODIVERSITY AND ITS CONSERVATION

- Introduction, definition, genetic, species and ecosystem diversity, Biogeographical classification of India.
- Value of biodiversity, consumptive use, productive use, social , ethical, aesthetic and optional values.
- Biodiversity at global, national and local level. India as a mega diversity nation.
- Hotspots of biodiversity, Threats to biodiversity- habitat loss, poaching of wildlife, man -wildlife conflicts.
- Endangered and endemic species of India, conservation of Biodiversity- In-situ and Ex-situ conservation of biodiversity.

इकाई–5 : जैव विविधता एवं उसका संरक्षण

- परिचय, परिभाषा, आनुवंशिकी, प्रजातीय एवं पारिस्थितिकी तंत्र विविधता, भारत का जैव–भौगोलिक वर्गीकरण
- जैव विविधता का मूल्य, उपयोग मूल्य, उत्पादक मूल्य, सामाजिक नैतिक, सौंदर्यात्मक एवं वैकल्पिक मूल्य
- अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तरों पर जैव–विविधता, वृहद् जैव–विविधता वाले राष्ट्र के रूप में भारत
- जैव विविधता के हॉटस्पॉट, जैव–विविधता के संकट – आवास क्षति, वन्यप्राणियों का अवैध शिकार, मानव–वन्य जीवन का टकराव
- भारत की संकटापन्न एवं स्थानिक प्रजातियाँ, जैव विविधता का संरक्षण – स्व–स्थानें एवं बाह्य–स्थानें

UNIT- VI : POLLUTION, DISASTERS AND HAZARDS

- Pollution, pollutants and environmental pollution, types of pollution and pollutants, natural and man made pollutants.
- Causes, effects and control measures of- (a) Air pollution, (b)Water pollution, (c) Soil pollution, (d) Marine pollution, (e) Noise pollution, (f) Thermal pollution, (g) Nuclear pollution.
- Natural Hazards and disasters - Introduction and types
- Geological disasters (earthquake, landslides, volcanoes), Hydrological disasters (floods and droughts), Wind related disasters (tornados, cyclones, tidal waves, Atmospheric heat and cold waves) hazards and management.
- Occupational hazards and their prevention.

इकाई–6 : प्रदूषण, आपदा एवं खतरें

- प्रदूषण, प्रदूषक एवं पर्यावरण प्रदूषण, प्रदूषण एवं प्रदूषकों के प्रकार, प्राकृतिक एवं मानवजनित प्रदूषक
- कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय– (क) वायु प्रदूषण (ख) जल प्रदूषण (ग) मृदा प्रदूषण (घ) समुद्री प्रदूषण (च) ध्वनि प्रदूषण (छ) तापीय प्रदूषण (ज) नाभिकीय प्रदूषण
- प्राकृतिक आपदा एवं खतरे– परिचय एवं प्रकार
- भू–गर्भीय आपदा (भूकम्प, भूस्खलन एवं ज्वालामुखी), जलीय आपदा (बाढ़ एवं सूखा), पवन जनित आपदा (बवंडर, चक्रवात, ज्वरीय लहरे, वायुमंडलीय शीत एवं गर्म हवाएं) खतरा एंवं प्रबंधन
- व्यवसाय जनित खतरे एवं उनसे बचाव

UNIT- VII : SOCIAL ISSUES AND ENVIRONMENT

- Sustainable development-definition and importance, from unsustainable to sustainable development
- Urban problems related to energy, Water conservation, rain water harvesting, Watershed management.
- Nuclear accidents and holocaust
- Environmental ethics- issues and possible solutions, consumerism and waste products.
- Climate change, Green house effect and global warming, ozone layer depletion, Acid rain, Mitigation and Resilience measures- Role of developed and developing countries.

इकाई–7 : सामाजिक मुद्दे एवं पर्यावरण

- निर्वहनीय विकास– परिभाषा एवं महत्ता, अनिर्वहनीय विकास से निर्वहनीय विकास की ओर
- ऊर्जा से संबंधित नगरीय समस्याएँ, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन
- नाभिकीय दुर्घटनाएँ एवं विनाश
- पर्यावरण संबंधी नैतिकता– मुद्दें और सम्भावित समाधान, उपभोक्तावाद और अपशिष्ट उत्पाद
- जलवायु परिवर्तन, हरित गृह प्रभाव एवं वैश्विक तपन, ओजोन परत का क्षरण, अम्ल वर्षा, अल्पीकरण एवं लौटाव के उपाय– विकसित एवं विकासशील देशों की भूमिका

UNIT- VIII : ENVIRONMENTAL LEGISLATION FOR ENVIRONMENTAL PROTECTION

- Issues involved in enforcement of environmental legislation.
- Salient features of – Wild Life (protection)Act 1972, The Water (Prevention and control of pollution) Act-1974
- Salient features of- The Forest (Conservation) Act 1980, The Air (Prevention and Control of Pollution) Act -1981
- Salient features of -The Environment (Protection) Act -1986, Noise Pollution (Regulation and Control)Rules -2000
- Salient features of – The biological diversity Act-2002, E-waste Management Rules - 2016, Biomedical Waste Management Rules 2016

इकाई–8 : पर्यावरण बचाव हेतु पर्यावरण विधान

- पर्यावरण बचाव हेतु पर्यावरणीय विधानों को लागू करने में शामिल मुद्दें
- मुख्य बिंदु– भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम –1972
  जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम –1974
- मुख्य बिंदु– वन (संरक्षण) अधिनियम –1980
  वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम –1981
- मुख्य बिंदु– पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम –1986
  ध्वनि प्रदूषण (अधिनियमन और नियंत्रण) कानून –2000
- मुख्य बिंदु– जैव विविधता अधिनियम –2002
  ई वेस्ट प्रबंधन नियम –2016
  जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम– 2016

UNIT- IX : HUMAN POPULATION AND ENVIRONMENT,OTHER ENVIRONMENTAL ISSUES

- Population growth, variation among nations,
- Population explosion – Family welfare program , women and child welfare, HIV, AIDS
- Environment and human health, Human rights and value based education.
- Impact of anthropogenic activities-urbanization and industrialization., injudicious ground water extraction, sand mining in rivers, deforestation, tourism and environment- positive and negative impacts of tourism .
- Role of information technology in environment and human health.

इकाई–9 : मानव जनसंख्या और पर्यावरण, अन्य पर्यावरणीय मुद्दे

- जनसंख्या वृद्धि, विभिन्न राष्ट्रों में अंतर
- जनसंख्या विस्फोट, परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिला एवं बाल कल्याण, एच.आई.वी., एड्स
- पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य, मानव अधिकार एवं मूल्य आधारित शिक्षा
- मानव जनित क्रियाकलापों का प्रभाव–शहरीकरण एवं औद्योगीकीकरण, भूजल का विवेकहीन दोहन, नदियों से रेत का खनन, निर्वनीकरण, पर्यटन एवं पर्यावरण – सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव
- पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य हेतु सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका

UNIT- X : ROLE AND IMPORTANCE OF MADHYA PRADESH IN THE FIELD OF ENVIRONMENT

- Biodiversity of Madhya Pradesh.
- Role of Madhya Pradesh Tribes in Environment Conservation (Baiga, Sahariya, Bhil, Bhilala, Gond etc)
- Solid waste management-causes, effects and control measures of urban and industrial wastes.
- Role of an individual and organization in prevention of pollution.
- Efforts to promote and conserve water and important rivers in Madhya Pradesh.

इकाई–10 : पर्यावरण क्षेत्र में मध्यप्रदेश की भूमिका एवं महत्व

- मध्यप्रदेश की जैव–विविधता
- पर्यावरण संरक्षण में मध्यप्रदेश की जनजातियों की भूमिका (बैगा, सहरिया, भारिया, भील, भिलाला, गोंड इत्यादि)
- ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन – नगरीय और औद्योगिक अपशिष्ट के कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय
- प्रदूषण की रोकथाम में व्यक्ति एवं संस्थाओं की भूमिका
- मध्यप्रदेश में जल संरक्षण एवं प्रमुख नदियों के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयास।

---XXX---